Shri Jawaharlal Nehru: I do not think that is a quite correct statement. The military police has to keep order in the military regularly. The armed police is another thing which is part of the civil administration.

Shri Surendranath Dwivedy: So we are sending armed police to those areas?

Shri Jawaharlal Nehru: Yes, Sir; the armed police are there.

Shri Ranga: On the one side, we understood that the Colombo proposals are as good as dead. On the other side, from the answer given by the Prime Minister, it looks as if our activity in NEFA is being inhibited by what we consider to be the Colombo proposals and therefore our military is not going into the vacated area.

Shri Tyagi: He has made it clear.

श्री यशपाल सिंह : जैसा दो बार आल इंडियारेडियो से कहा गया कि अब भी चीनी सैनिक नेफा के बार्डर के ऊपर दिखाई देते हैं, क्या मैं जान सकता हूं कि आज उन की क्या पोजीशन है ?

श्री जवाहरलाल नेहरू : मैं नहीं समझ सकता कि माननीय सदस्य किस बार्डर की चर्चा करते हैं । बार्डर के कितनी दूर के ऊपर, बार्डर के एक मील इधर या दसमील उधर ।

Shri Tyagi: May I appeal to you not to permit questions which seek information about the army movements on the border side?

Shri Ranga: We want to know whether we are going to occupy that area.

Mr. Speaker: I have allowed those questions.

Shri Ranga: He is objecting, while I was submitting to you. (*Interruptions*).

Mr. Speaker: Order, order. Shrimati Renuka Ray.

Shrimati Renuka Ray: In answer to part (c), the Minister stated that Government have no definite information regarding the spies in NEFA. May I know, in view of the fact that so many persons have come back, telling us that these activities are taking place and evidence is available what steps will be taken to see that such activities are stopped?

Mr. Speaker: That is a suggestion for action. Next question.

सैनिक स्कूल

*११४. + श्री प्रकाशवीर शास्त्री :
श्री जगदेव सिंह सिद्धान्ती :
श्री सुबोध हांसदा :
श्री स० चं० सामन्त :
श्री ब० कु० दास :
श्री हरि विष्णु कामत :
श्री यशपाल सिंह :
श्री विशनचन्द्र सेठ :
श्री हेम राज :
श्रीमती सावित्री निगम :
श्री अ० ना० विश्वासंकार :
श्री हेडा :
श्री सिद्धेश्वर प्रसाद :
श्री भक्त दर्शन :
श्री भागवत झा आजाद :
श्री मुहम्मद इलियास :

क्या प्रतिरक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या देश की वर्तमान स्थिति और आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए सरकार कुछ और सैनिक स्कूल खोलने का विचार कर रही है;

(ख) यदि हां, तो क्या उसकी कोई योजना बना ली गई है;

(ग) क्या उनकी स्थापना के स्थान और राज्यों का भी निश्चय कर लिया गया है और यदि हां, तो वे कहां कहां होंगे; और

(घ) इन सैनिक स्कूलों में कितने छात्रों को दाखिल करने का विचार है ?

प्रतिरक्षा मंत्री (श्री यशवन्तराव चव्हाण) : (क) सैनिक स्कूल, सैनिक स्कूल्ज सोसाइटी द्वारा चलाये जाते हैं, और इनका प्रबंध भी वही करती है । यह सोसाइटी सोसाइटीज रेजिस्ट्रेशन एक्ट के आधीन पंजीकृत, एक स्वायत्त संस्था है । प्रतिरक्षा मंत्रालय तो केवल इनके विकास के कर्तव्य निभाता है, और कुछ छात्रवृत्ति देनों तथा स्कूलों के प्रधानाचार्य, मुख्याध्यापक और रजिस्ट्रार के वेतन तथा भत्तों का खर्च बरदाश्त करता है ।

(ख) योजना सैनिक स्कूल्ज सोसाइटी के नियमों, विनियमों तथा सहाचर्य सम्बन्धी ज्ञापनपत्र के अन्तर्गत है ।

(ग) पहले से चल रहे ११ स्कूलों के अतिरिक्त, मैसूर राज्य में बीजापुर तथा बिहार राज्य में तिलैया के स्थानों पर, दो और सैनिक स्कूल खोलने के प्रस्ताव सामने हैं । आसाम में भी एक स्कूल खोलने का सुझाव विचाराधीन है । अन्य सुझावों पर कार्यवाही तभी की जायेगी जब राज्य सरकारें, जिन्हें इस निमित्त योजना के अधीन भूमि, इमारतें साजसामान तथा पर्याप्त संख्या में छात्रवृत्तियां बतानी होती हैं, निश्चित प्रस्ताव प्रस्तुत करें ।

(घ) प्रत्येक सैनिक स्कूल लगभग १५०-२०० छात्रों से चालू होता है और उसमें ५२५ छात्रों तक प्रसरण अपेक्षित है ।

(a) The Sainik Schools are run and managed by the Sainik Schools Society, an autonomous body registered under the Societies Registration Act and the Ministry of Defence plays only a promotional role in opening these schools and bears the expenditure of a certain number of scholarships and the pay and allowances of the Principal, Headmaster & Registrar.

(b) The scheme is contained in the memorandum of Association and Rules & Regulations of the Sainik Schools Society.

(c) Apart from the eleven schools already functioning it has been proposed to have two more Sainik Schools in Bijapur in Mysore State and Tilaiya in Bihar State. Opening of a School in Assam is also under consideration. Other proposals will be dealt with as and when the State Governments, who are to provide under the Scheme the land, buildings and equipment and adequate number of scholarships make concrete offers.

(d) Each Sainik School starts with about 150-200 students and is expected to expand upto 525 students.

श्री प्रकाशवीर शास्त्री : इन दो सैनिक स्कूलों के अतिरिक्त जो कि अभी खुलने जा रहे हैं जिन की कि स्वीकृति आप के विचाराधीन है, क्या देश के और भी भागों से इस प्रकार के आवेदन पत्र आये हैं जहां कि वे सैनिक स्कूल खोलना चाहते हैं, यदि हां, तो वे आवेदनपत्र किस स्थिति में हैं ।

प्रतिरक्षा मंत्री (श्री यशवन्त राव चव्हाण) : कई आवेदन पत्र हैं । पश्चिमी बंगाल सरकार से और बिहार से भी हैं ।

श्री प्रकाशवीर शास्त्री : अध्यक्ष महोदय, मैं यह जानना चाहता था कि जो और सैनिक स्कूल खोलने के सम्बन्ध में आप के पास आवेदन पत्र आये हैं, क्या उन में किसी प्रकार की कोई न्यूनता है जिस कारण कि आप उन को स्वीकृति नहीं दे रहे हैं या आप के पास धन का अभाव है जिस कारण कि आप उन को जो कि सैनिक स्कूल खोलने को तैयार हैं, स्वीकृति नहीं दे रहे हैं ?

श्री यशवन्तराव चव्हाण : ऐसी तो कोई बात नहीं है । जो आवेदन पत्र आते हैं उन की जिम्मेदारी तो राज्य सरकारों को ही लेनी पड़ती है, इसलिए धन की कमी का कोई सवाल ही नहीं होता है

श्री जगदेव सिंह सिद्धान्ती : क्या प्रतिरक्षा मंत्रालय को कोई ऐसी रिपोर्ट मिली है कि

जो मिलेटरी के सर्वथा योग्य हैं और भरती होने के लायक हैं उन को भरती न करने के लिए यह कहा जाता है यक तुम बढ़िया इंगलिश नहीं बोलते ? क्या ऐसी बात है ?

अध्यक्ष महोदय : यह तो स्कूलों की बात कर रहे हैं ।

श्री यशपाल सिंह : क्या लखनऊ के एक ट्रस्ट ने डिफेंस मिनिस्टरी को २५ लाख रुपये की जमीन सैनिक स्कूल खोलने के लिए ऑफर की है ?

श्री यशवन्त राव चव्हाण : इस बारे में मुझे कई लोग मिले थे ।

श्री यशपाल सिंह : उस का क्या परिणाम रहा ?

श्री यशवन्त राव चव्हाण : वह जमीन का सवाल तो राज्य सरकार और उन ट्रस्टियों के बीच का सवाल है । उस के बारे में सेन्ट्रल गवर्नमेंट कुछ नहीं कर सकती ।

श्री बेरवा कोटा : इस समय देश में जितने सैनिक स्कूल चल रहे हैं ?

श्री यशवन्तराव चव्हाण : ११ चल रहे हैं ।

Shrimati Savitri Nigam: May I know the total number of students who will pass out every year after these two schools are also opened, and whether girls also get admission to these schools?

Shri Y. B. Chavan: The maximum number can be up to 525, as I mentioned in my reply earlier, but no girls are admitted.

श्री ए० सिंह मुताकिर : स्कूल खोलने के लिए जगह मुकर्रर करते वक्त किस बात का ख्याल रक्खा जाता है ?

Shri Y. B. Chavan: It depends upon the facilities that are made available by the State Governments. Normally, we go in this matter by the recommendations made by the State Governments.

WRITTEN ANSWERS TO QUESTIONS

Foreign Military Aid

*115. **Shri Hari Vishnu Kamath:**
Shri Shree Narayan Dass:
Shri P. C. Borooah:
Shri Yashpal Singh:
Shri Bishanchander Seth:
Shri Bhakt Darshan:
Shri Bhagwat Jha Azad:
Shri Vidya Charan Shukla:
Shri Buta Singh:

Will the Minister of **Defence** be pleased to state:

(a) the names of countries which have supplied military equipment and stores to India since the Presidential Proclamation of Emergency on the 26th October, 1962; and

(b) the basis or terms—cash payment, deferred payment, or gift on which the delivery was made in each case?

The Minister of Defence (Shri Y. B. Chavan): (a) Australia, Canada, France, Italy, New Zealand, Rhodesia, UK, USA, USSR and West Germany.

(b) A statement is laid on the Table of the House. [*Placed in Library, See* No. LT-852/63].

Afro-Asian Solidarity Conference

*116. **Shri Tridib Kumar Chaudhuri:**
Srhi Bishanchander Seth:
Shri P. C. Borooah:
Shri Yashpal Singh:
Shri Hem Barua:
Shri Brij Raj Singh:
Shri Bibhuti Mishra:
Shrimati Renu Chakravarty:
Shri P. R. Chakraverti:
Shri Heda:
Shri Rameshwar Tantia:
Shri Inder J. Malhotra:
Shrimati Savitri Nigam:
Shri D. C. Sharma:
Shri Raghunath Singh:
Shri Sidheshwar Prasad:
Shri Ramshekhar Prasad Singh:
Shrimati Maimoona Sultan:
Shri Hem Raj: